Dainik Jagran 05-01-2026

डरोह, सुलह व घुग्घर में शिक्षा बोर्ड के मूल्यांकन केंद्र बहाल

संवाद सहयोगी, जागरण • भवारना : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डरोह, सुलह और राजकीय सह शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घुग्घर में दोबारा मूल्यांकन केंद्र स्थापित किए हैं। स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सिकंदर मिन्हास, महासचिव बलजीत सिंह अटवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज कुमार एवं रमेश ठाकुर, वित्त सचिव तिलक राज राणा, उपमंडल सुलह के अध्यक्ष नरेश राणा एवं सचिव रमन कशयप, उपमंडल पालमपुर के अध्यक्ष जतिंदर कंवर, संदीपा

- स्कूल प्रवक्ता संघ ने शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष व सचिव का जताया आभार
- मार्च 2025 में संचालित परीक्षाओं का मेहनताना जारी किया जाए

शर्मा एवं सचिव गोपाल कृष्ण ने इन केंद्रों को दोबारा स्थापित करने पर बोर्ड अध्यक्ष एवं सचिव का आभार व्यक्त किया है।

यहां जारी बयान में प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सिकंदर मिन्हास ने कहा कि संघ ने बोर्ड के समक्ष प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से मूल्यांकन केंद्र स्थापित करने के लिए लगातार पक्ष रखा ओर बोर्ड अध्यक्ष एवं सचिव ने कुशल कर्तव्यनिष्ठ शैली का परिचय देते हुए प्रवक्ता संघ की मांग को पूरा किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम समयानुसार घोषित करने की दिशा में मूल्यांकन केंद्रों का पुन बहाल करना बोर्ड का सराहनीय कदम है, जिसका प्रवक्ता संघ स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि संघ ने कुछ मुख्य मांगें प्रेषित कर उचित समाधान की उम्मीद बोर्ड अध्यक्ष व सचिव से की है। उन्होंने बताया कि इसमें मार्च 2025 में संचालित बोर्ड परीक्षाओं का मेहनताना अविलंब जारी करना, बोर्ड पेपर पैटर्न 2026 जारी करना, पुनर्मूल्यांकन एवं पुन निरीक्षण फीस कम करना, बोर्ड परीक्षाओं के अनुरूप ही नवमीं एवं ग्यारहवीं के प्रश्नपत्र भी ड्रोपिंग केंद्र पर पहुंचाना व विद्यार्थी संबंधित कोई भी निर्णय लेने के लिए प्रवक्ता संघ को भी विश्वास में लेना आदि शामिल हैं।

8वीं, 10वीं व 12वीं कक्षा परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की तिथि बढ़ाई

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय के अंतर्गत आयोजित होने वाली कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं कक्षा की मार्च 2026 परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण तथा प्रवेश प्रपत्र जमा करने की तिथियों को बढ़ा दिया है। अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार री-अपीयर एवं एक वर्ष के भीतर प्रदर्शन सुधार के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी 14 जनवरी तक बिना विलंब शुल्क के आवेदन कर सकते हैं, जबकि नए प्रवेश, टीओसी सहित पुनः प्रवेश प्रथा अतिरिक्त विषय के अभ्यर्थी 14 जनवरी तक 2000 विलंब शुल्क सहित आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रदेशभर में संचालित सभी हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय अध्ययन केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मार्च 2026 सत्र के लिए लागू संशोधित नियमों, अद्यतन निर्देशों एवं संशोधित विवरणिका का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी अभ्यर्थी का प्रवेश करने से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों एवं सहायक समन्वयकों के लिए नवीनतम विवरणिका का अध्ययन करना अनिवार्य होगा, जो शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट तथा अध्ययन केंद्रों के लॉग-इन के माध्यम से उपलब्ध है। नियमों एवं निर्देशों की अवहेलना को बोर्ड नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

एसओएस के लिए अब 14 तक करें आनलाइन पंजीकरण

संवाद सहयोगी, जागरण • धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय की आठवीं, 10वीं व जमा दो की मार्च में होने वाली परीक्षा के लिए आनलाइन पंजीकरण व प्रवेश पत्र जमा कराने की तिथि बढ़ा दी है। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा के मुताबिक अभ्यर्थी संशोधित शेडयूल के तहत री-अपीयर व एक वर्ष के भीतर प्रदर्शन सुधार के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी 14 जनवरी तक बिना विलंब शुल्क के आवेदन कर सकते हैं। नए प्रवेश, टीओसी सहित पुनः प्रवेश या अतिरिक्त विषय के अभ्यर्थी 14 जनवरी तक रुपये दो हजार के साथ बिना विलंब शुल्क सहित आवेदन कर सकते हैं। सभी एसओएस अध्ययन केंद्रों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे मार्च सत्र के लिए लागू अध्यतन निर्देशों एवं संशोधित विवरणिका का पालन करें। किसी भी अभ्यर्थी का प्रवेश करने से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों एवं सहायक समन्वयकों के लिए नवीनतम विवरणिका का अध्ययन करना जरूरी होगा।

Himachal Dastak 04-01-2026

बोर्ड ने परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की तिथियों को बढ़ाया

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला ने हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय के अंतर्गत आयोजित होने वाली कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं की मार्च 2026 परीक्षा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण तथा प्रवेश प्रपत्र जमा करने की तिथियों को बढ़ा दिया है। अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार री-अपियर एवं एक वर्ष के भीतर प्रदर्शन सुधार के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी 14 जनवरी 2026 तक बिना विलंब शुल्क के आवेदन कर सकते हैं, जबकि नए प्रवेश, टीओसी सहित पुनः प्रवेश प्रथा अतिरिक्त विषय के अभ्यर्थी 14 जनवरी तक 2000 विलंब शुल्क सहित आवेदन कर सकते हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि प्रदेशभर में संचालित सभी हिमाचल प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय अध्ययन केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे मार्च 2026-सत्र के लिए लागू संशोधित नियमों, अद्यतन निर्देशों एवं संशोधित विवरणिका का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी अभ्यर्थी का प्रवेश करने से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों एवं सहायक समन्वयकों के लिए नवीनतम विवरणिका का अध्ययन करना अनिवार्य होगा, जो शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट तथा अध्ययन केंद्रों के लॉग-इन के माध्यम से उपलब्ध है। नियमों एवं निर्देशों की अवहेलना को बोर्ड नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

Anant Gyan 03-01-2026

दस विषयों की टेट का परीक्षा परिणाम घोषित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा 10 विषयों की अध्यापक पात्रता परीक्षा (टेट) का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया गया। नवम्बर-2025 में प्रदेश स्तर पर स्थापित विभिन्न परीक्षा केन्द्रों में आयोजित इन परीक्षाओं में टीजीटी आर्ट्स, टीजीटी मेडिकल, टीजीटी नॉन मेडिकल, टीजीटी हिंदी, स्पेशल एजुकेटर (प्री प्राइमरी से 5वीं), स्पेशल एजुकेटर (छठी से 12वीं), पंजाबी, उर्दू, जेबीटी, टीजीटी संस्कृत शामिल थीं जिनका परीक्षा परिणाम आज घोषित किया गया है।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ राजेश शर्मा ने बताया कि टीजीटी आर्ट्स में 10858 परीक्षार्थियों में 1429 पास घोषित हुए हैं। परीक्षा परिणाम 13.2 प्रतिशत रहा। टीजीटी मेडिकल में 4309 में से 1743 पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 40.05 प्रतिशत रहा।

टीजीटी आर्ट्स में 10858 परीक्षार्थियों में 1429 पास

इसी तरह टीजीटी नॉन मेडिकल में 5878 परीक्षार्थी थे जिनमें 741 पास हुए हैं तथा परीक्षा परिणाम 12.8 प्रतिशत रहा। टीजीटी हिंदी में 2187 परीक्षार्थियों में से 1279 पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 41.5 प्रतिशत रहा। टीजीटी संस्कृत में 1541 परीक्षार्थियों में से 427 पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 27.7 प्रतिशत रहा। इसके अलावा पंजाबी विषय में 56 परीक्षार्थी थे जिनमें से सिर्फ 3 ही पास हुए हैं तथा परीक्षा परिणाम 5.4 प्रतिशत रहा। उर्दू विषय मे 9 में से 2 पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 22.2 प्रतिशत रहा। स्पेशल एजुकेटर (प्री प्राइमरी से 5वीं) विषय में 621 में से 557 पास हुए हैं तथा परीक्षा परिणाम 89.7 रहा। वहीं स्पेशल एजुकेटर (छठी से 12वीं) में 150 में से 144 तथा परीक्षा परिणाम 96 प्रतिशत रहा।

Himachal Dastak 03-01-2026

शिक्षा बोर्ड ने घोषित किया दस विषयों की टेट परीक्षा का परिणाम

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा 10 विषयों की अध्यापक पात्रता परीक्षा (टेट) का परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिया गया। नवंबर 2025 में प्रदेश स्तर पर स्थापित विभिन्न परीक्षा केंद्रों में आयोजित इन परीक्षाओं में टीजीटी आर्ट्स, टीजीटी मेडिकल, टीजीटी नॉन मेडिकल, टीजीटी हिंदी, स्पेशल एजुकेटर (प्री प्राइमरी से 5वीं), स्पेशल एजुकेटर (छठी से 12वीं), पंजाबी, उर्दू, जेबीटी, टीजीटी संस्कृत शामिल थीं जिनका परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित किया गया है। स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि टीजीटी आर्ट्स में 10858 परीक्षार्थियों में से 1429 पास घोषित हुए हैं। परीक्षा परिणाम 13.2 प्रतिशत रहा। टीजीटी मेडिकल में 4309 में से 1743 परीक्षार्थी पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 40.05 प्रतिशत रहा। इसी तरह टीजीटी नॉन मेडिकल में 5878 परीक्षार्थी थे जिनमें 741 पास हुए हैं तथा परीक्षा परिणाम 12.8 प्रतिशत रहा। टीजीटी हिंदी में 2187 परीक्षार्थियों में से 1279 पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 41.5 प्रतिशत रहा। टीजीटी संस्कृत में 1541 परीक्षार्थियों में से 427 पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 27.7 प्रतिशत रहा। इसके अलावा पंजाबी विषय में 56 परीक्षार्थी थे जिनमें से सिर्फ 3 ही पास हुए हैं तथा परीक्षा परिणाम 5.4 प्रतिशत रहा। उर्दू विषय मे 9 में से 2 परीक्षार्थी पास हुए तथा परीक्षा परिणाम 22.2 प्रतिशत रहा। स्पेशल एजुकेटर (प्री प्राइमरी से 5वीं) विषय में 621 में से परीक्षार्थी 557 पास हुए हैं तथा परीक्षा परिणाम 89.7 रहा। वहीं स्पेशल एजुकेटर (छठी से 12वीं) में 150 में से 144 तथा परीक्षा परिणाम 96 प्रतिशत रहा।

Amar Ujala 03-01-2026

शिक्षक पात्रता परीक्षा : 25.6% ही रहा दस विषयों का परिणाम

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने नवंबर में लिए टेट का परिणाम किया घोषित

अमर उजाला ब्यूरो

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 10 विषयों में करवाई अध्यापक पात्रता परीक्षा (टेट) का परिणाम घोषित कर दिया है। 33,083 अभ्यर्थियों में से 8,459 अभ्यर्थी ही उत्तीर्ण हुए हैं। परीक्षा परिणाम 25.6 फीसदी रहा। शिक्षा बोर्ड ने परीक्षा के दौरान नकल करने वाले दो अभ्यर्थियों को एक वर्ष के लिए बाहर कर दिया है।

33,083 में से 8,459 अभ्यर्थी ही पास कर सके परीक्षा

बोर्ड ने नवंबर में परीक्षाई करवाई। कुल 36,571 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। 33,083 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे थे। 24,622 अभ्यर्थियों का परिणाम फेल घोषित किया है। स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि परिणाम को शिक्षा बोर्ड ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रमाण पत्र डीजी लॉकर पर भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

पांच महीने बाद शिक्षक पात्रता परीक्षा की पास प्रतिशतता में अंतर

विषय	अगस्त 2025	जनवरी 2026
पंजाबी	15.38	5.4
उर्दू	40.00	22.2
आर्ट्स	46.19	13.2
मेडिकल	17.00	40.5
जेबीटी	30.17	33.1
संस्कृत	17.69	27.7
नॉन मेडिकल	30.20	12.8
हिंदी	29.42	41.5
एसपीएल-5	43.75	89.7
एसपीएल-6-12	64.56	96.0
कुल	34.53	25.6

विषय	अपीयर	अनुपस्थित	पास	फेल	प्रतिशतता
पंजाबी	56	32	3	53	5.4
उर्दू	9	2	2	7	22.2
आर्ट्स	10,858	1168	1429	9429	13.2
मेडिकल	4309	438	1743	2566	40.5
जेबीटी	7574	772	2506	5067	33.1
संस्कृत	1541	121	427	1114	27.7
नॉन मेडिकल	5778	568	741	5037	12.8
हिंदी	2187	235	907	1279	41.5
एसपीएल-5	621	118	557	64	89.7
एसपीएल-6-12	150	34	144	6	96.0

ग्रेस मार्क्स से भी नहीं सुधरी पास प्रतिशतता

धर्मशाला। अध्यापक पात्रता परीक्षा परिणाम में अभ्यर्थी चार विषयों में ग्रेस मार्क्स मिलने के बाद भी पांच माह पहले घोषित हुए परिणाम की पास प्रतिशतता को भी कायम नहीं रख पाए। शिक्षा बोर्ड ने परिणाम में मेडिकल में दो, आर्ट्स, जेबीटी और संस्कृत विषय में एक-एक अंक ग्रेस मार्क्स के रूप में दिया है।

टेट का परिणाम पांच माह पूर्व घोषित परिणाम की अपेक्षा नौ फीसदी कम रहा है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित अध्यापक पात्रता परीक्षा (टेट) का परिणाम पांच माह पहले निकाले गए रिजल्ट की अपेक्षा 9 फीसदी कम रहा है। अगस्त 2025 में 10 विषयों की अध्यापक पात्रता परीक्षा का परिणाम 34.53 फीसदी रहा था, जबकि इस बार घोषित 10 विषयों का परिणाम 25.60 फीसदी पर अटक गया है।

इस दौरान सबसे कम परिणाम पंजाबी विषय में 5.4 फीसदी दर्ज किया गया है। वहीं, नॉन मेडिकल विषय का परिणाम भी संतोषजनक नहीं रहा है, जबकि स्पेशल एजुकेटर विषयों में ली गई अध्यापक पात्रता परीक्षा का परिणाम अगस्त में घोषित परिणाम की अपेक्षा बढ़ा है। ब्यूरो

पंजाब केसरी
SAT,03 JANUARY 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 3

टैट परिणाम : पास से ज्यादा फेल, टी.जी.टी. आर्ट्स बना सबसे बड़ी चिंता

धर्मशाला, 2 जनवरी (प्रियंका): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित अध्यापक पात्रता परीक्षा (टैट) नवम्बर-2025 के परिणामों ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर चिंतन की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। घोषित परिणामों के अनुसार अधिकांश विषयों में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों की संख्या, असफल अभ्यर्थियों की तुलना में काफी कम रही है। कुल 36,571 आवेदकों में से मात्र 24,622 अभ्यर्थी ही सफल हो सके, जबकि 8,459 परीक्षार्थी परीक्षा में फेल घोषित किए गए।

इस बार के परिणामों में टी.जी.टी. आर्ट्स विषय सबसे अधिक चर्चा में रहा। इस विषय में कुल 12,026 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 10,858 परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से केवल 1,429 अभ्यर्थी ही पास हो सके, जबकि 9,429 अभ्यर्थी असफल रहे। पास प्रतिशत महज 13.2 प्रतिशत रहा, जोकि सभी विषयों में सबसे कम है। यह आंकड़ा इस ओर इशारा करता है कि आर्ट्स विषय में न केवल प्रतिस्पर्धा अधिक है, बल्कि तैयारी का स्तर भी अपेक्षाकृत कमजोर नजर आ रहा है।

नॉन-मैडीकल और पंजाबी भी पीछे

टी.जी.टी नॉन-मैडीकल में भी स्थिति चिंताजनक रही, जहां पास प्रतिशत केवल 12.8 प्रतिशत रहा। वहीं पंजाबी विषय में भी पास प्रतिशत 54 प्रतिशत रहा, लेकिन कुल परीक्षार्थियों की संख्या कम होने के बावजूद असफलता की संख्या नजरअंदाज नहीं की जा सकती।

बिना तैयारी परीक्षा देने की प्रवृत्ति बढ़ी

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी बिना समुचित तैयारी के टैट परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। कई छात्रों को यह भ्रम रहता है कि प्रश्नपत्र सरल होगा या सामान्य ज्ञान से ही परीक्षा निकल जाएगी, लेकिन बदलते परीक्षा पैटर्न में यह सोच भारी पड़ रही है। इसका सीधा असर परिणामों पर दिखाई दे रहा है।

मंथन की जरूरत

परिणामों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अब केवल छात्रों पर ही नहीं, बल्कि शिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण केंद्रों और मार्गदर्शन प्रणाली पर भी गंभीर चर्चा की आवश्यकता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस विषय पर शिक्षकों, प्रोफैसरों, लैक्चरर्स, सफल एवं असफल दोनों तरह के छात्रों को एक मंच पर लाकर संवाद किया जाना चाहिए, ताकि वास्तविक समस्याओं की पहचान कर समाधान निकाला जा सके।

"पिछले कुछ वर्षों से यह देखने में आ रहा है कि टैट परीक्षाओं में असफल अभ्यर्थियों की संख्या काफी अधिक है। बोर्ड द्वारा प्रश्नपत्र को मॉडरेट स्तर का रखा गया है, इसके बावजूद परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि कई अभ्यर्थी बिना पर्याप्त तैयारी के परीक्षा देने आ जाते हैं और यह मान लेते हैं कि प्रश्नपत्र आसान होगा।

वर्तमान समय में सरकारी नौकरियों के अवसर सीमित हैं, ऐसे में छात्रों को गंभीरता से तैयारी करनी होगी। इस विषय पर व्यापक चर्चा की आवश्यकता है। शिक्षकों, प्रोफैसरों, विशेषज्ञों के साथ-साथ पास और फेल दोनों तरह के छात्रों से संवाद कर ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

-**डा. सुरेशकुमार सोनी**, पूर्व अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।